मंगलवार

17 नवम्बर 2026

● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 296
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सड़क हादसों में 12 की मौत, 36 घायल



◆ बदरीनाथ हाईवे पर यात्रियों से भरी बस गहरी खाई में गिरी, आठ की मौत

◆ रुद्रप्रयाग में शादी से लौट रही मैक्स दुर्घटनाग्रस्त, चार बारातियों ने गंवाई जान

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में पहाड़ी सड़कों पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रदेश में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं ने एक बार फिर पर्वतीय मार्गों पर यातायात सुरक्षा के दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गूलर के पास यात्रियों से भरी बस पुल से करीब 100 मीटर नीचे गदेरे में जा गिरी। इस हादसे में आठ लोगों की मौत और करीब 26 लोगों के घायल होने की सूचना है। वहीं, रुद्रप्रयाग जिले की क्यूंजा घाटी में शादी समारोह से लौट रही बारातियों की मैक्स गहरी खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हुए हैं। दोनों हादसों में कुल 12 लोगों की जान चली गई, जबकि 32 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार सुबह करीब 5.30 बजे टिहरी जिले के मुनिकीरेती थाना क्षेत्र के अंतर्गत गूलर के पास भीषण हादसा हुआ। हरिद्वार से जोशीमठ-बदरीनाथ जा रही यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर पुल से करीब 100 मीटर नीचे गदेरे में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही मुनिकीरेती थाना पुलिस, गूलर, शिवपुरी और ब्यासी चौकी का पुलिस बल मौके पर पहुंचा। एसडीआरएफ, फायर सर्विस और एंबुलेंस की टीमों ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। एसडीआरएफ के जवानों ने गहरी खाई में उतरकर घायलों और यात्रियों को बाहर निकाला। घायलों को सड़क तक पहुंचाने के बाद एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया।एसडीआरएफ के इंचार्ज कविंद्र सजवाण के अनुसार, बस में करीब 30 यात्री सवार थे। हादसे में आठ लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है। कई यात्री घायल हुए हैं। रेस्क्यू अभियान के दौरान पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। दुर्घटना के कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा।

दूसरा दर्दनाक हादसा रुद्रप्रयाग जिले के अगस्त्यमुनि विकासखंड की क्यूंजा घाटी में कंडारा सड़क पर सोमवार रात हुआ। पोखरी में आयोजित शादी समारोह से बारातियों को लेकर लौट रही मैक्स अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। वाहन में रांसी-गोंडार क्षेत्र के दस लोग सवार थे। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे। संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान चलाकर खाई में गिरे सभी लोगों को बाहर निकाला गया। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें चार की हालत गंभीर बताई गई है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद श्रीनगर बेस अस्पताल रेफर किया गया, जबकि दो घायलों को मामूली चोटें आईं। थाना प्रभारी गुमान सिंह नेगी और कांस्टेबल सोनू गोदियाल पुलिस बल एवं एसडीआरएफ टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने भी बचाव अभियान में सहयोग किया। जिला पंचायत सदस्य कंडारा अजयवीर भंडारी, पूर्व विधायक मनोज रावत, कालीमठ वार्ड के पूर्व जिला पंचायत सदस्य विनोद राणा सहित कई जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता देर रात तक घटनास्थल पर मौजूद रहे।

लगातार हुए इन हादसों ने उत्तराखंड की पहाड़ी सड़कों पर यातायात सुरक्षा की चुनौती को फिर उजागर कर दिया है। एक ओर तीर्थयात्रियों से भरी बस गहरी खाई में समा गई, तो दूसरी ओर शादी की खुशियां मनाकर घर लौट रहे बारातियों का सफर मौत के मातम में बदल गया। दोनों घटनाओं ने प्रभावित परिवारों और पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न सड़क दुर्घटनाओं पर व्यक्त किया गहरा दुःख, घायलों के समुचित उपचार के दिए निर्देश

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गूलर, जनपद रुद्रप्रयाग के ऊखीमठ क्षेत्र तथा जनपद टिहरी गढ़वाल की दोगी पट्टी के बांसकाटल में हुई सड़क दुर्घटनाओं में यात्रियों के हताहत होने पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने दुर्घटनाओं में दिवंगत हुए लोगों के शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की, दुर्घटनाओं में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए संबंधित अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को दुर्घटना प्रभावितों एवं उनके परिजनों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

वित्तीय बाजार की सफाई

वित्तीय व्यवस्था में भरोसा सबसे बड़ी पूंजी होता है। बैंक हो या गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी), आम आदमी अपनी मेहनत की कमाई और भविष्य की उम्मीदें इसी भरोसे के सहारे इनके हवाले करता है। लेकिन जब वित्तीय संस्थानों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगें और नियामक को एक के बाद एक कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करनी पड़े, तो मामला केवल लाइसेंस रद्द करने तक सीमित नहीं रह जाता। यह पूरी वित्तीय निगरानी व्यवस्था की विश्वसनीयता का सवाल बन जाता है।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की हालिया कार्रवाई इसी लिहाज से महत्वपूर्ण है। 16 नवंबर को आरबीआई ने 49 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द किए। इसी दिन 13 एनबीएफसी और एक आवास वित्त कंपनी ने अपने पंजीकरण प्रमाणपत्र समर्पित किए, जिन्हें भी रद्द किया गया। इस तरह कुल 63 संस्थाओं के पंजीकरण समाप्त हुए। हालांकि, इन सभी 63 कंपनियों को नियमों के उल्लंघन के कारण बंद किया गया है, ऐसा मानना सही नहीं होगा। इनमें कुछ कंपनियां स्वेच्छा से कारोबार से बाहर हुई हैं, जबकि कुछ का पंजीकरण अन्य कारणों से समाप्त हुआ है।लेकिन इस कार्रवाई का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आखिर देश में ऐसी कितनी वित्तीय संस्थाएं हैं, जिनकी वास्तविक कारोबारी गतिविधियों, नियामकीय अनुपालन और आम ग्राहकों के साथ व्यवहार पर लगातार निगरानी की जरूरत है?आज देश में बैंकिंग व्यवस्था के समानांतर एनबीएफसी क्षेत्र तेजी से विस्तार कर रहा है। छोटे कारोबारियों को कर्ज देने से लेकर वाहन वित्तपोषण, व्यक्तिगत ऋण, आवास वित्त और ग्रामीण अर्थव्यवस्था तक इनकी पहुंच है। कई ऐसे लोग भी हैं, जिन्हें परंपरागत बैंकिंग व्यवस्था से आसानी से कर्ज नहीं मिलता, उनके लिए ये कंपनियां वित्तीय जरूरतों का महत्वपूर्ण माध्यम बनती हैं। यही कारण है कि इस क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही का महत्व और बढ़ जाता है।समस्या तब शुरू होती है, जब वित्तीय सेवाओं के नाम पर ऐसी संस्थाएं भी बाजार में सक्रिय हो जाती हैं, जिनकी कार्यप्रणाली पारदर्शी नहीं होती। आकर्षक ब्याज दरों, आसान ऋण और कम कागजी औपचारिकताओं के नाम पर लोगों को लुभाया जाता है। कई बार ग्राहकों को ऋण की शर्तों, ब्याज की वास्तविक दर और अतिरिक्त शुल्क की पूरी जानकारी तक नहीं होती। डिजिटल ऋण के विस्तार ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। ऐसे में नियामक की थोड़ी सी चूक भी आम आदमी की आर्थिक सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है।आरबीआई की कार्रवाई को इसलिए केवल कंपनियों के पंजीकरण रद्द करने की खबर के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह वित्तीय क्षेत्र में अनुशासन बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाती है। लेकिन सवाल यह भी है कि निगरानी तंत्र की सक्रियता केवल कार्रवाई के बाद ही क्यों दिखाई देती है? जब कोई कंपनी नियमों के दायरे से बाहर जाकर काम करती है, तब उसके खिलाफ समय रहते कदम क्यों नहीं उठाए जाते? क्या नियामक व्यवस्था के पास ऐसी कंपनियों की गतिविधियों को पहले ही पहचानने का पर्याप्त तंत्र नहीं है?एक और महत्वपूर्ण सवाल उन ग्राहकों का है, जिनका इन कंपनियों से वित्तीय लेन-देन रहा है। पंजीकरण रद्द होने का अर्थ यह नहीं कि ग्राहकों की सभी देनदारियां अपने आप समाप्त हो गई या उनकी जमा राशि स्वत: सुरक्षित हो गई। कंपनी के कारोबार की स्थिति, पंजीकरण रद्द होने का कारण और ग्राहकों के अधिकार अलग-अलग विषय हैं। इसलिए आरबीआई और संबंधित संस्थाओं को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि प्रभावित ग्राहकों की शिकायतों, बकाया ऋणों और वित्तीय दावों का निपटारा किस प्रक्रिया से होगा।वित्तीय अनुशासन के नाम पर कार्रवाई जरूरी है, लेकिन कार्रवाई से अधिक जरूरी है ऐसी व्यवस्था बनाना, जिसमें आम आदमी को ठगे जाने से पहले सुरक्षा मिल सके। केवल लाइसेंस रद्द कर देना नियामक की सफलता का अंतिम प्रमाण नहीं हो सकता। असली सफलता तब होगी, जब संदिग्ध संस्थाओं की पहचान समय रहते हो, ग्राहकों को जोखिम की जानकारी मिले और वित्तीय धोखाधड़ी की गुंजाइश न्यूनतम हो।भारत जब डिजिटल अर्थव्यवस्था और वित्तीय समावेशन की बड़ी-बड़ी उपलब्धियों का दावा कर रहा है, तब वित्तीय संस्थानों की जवाबदेही भी उसी अनुपात में मजबूत होनी चाहिए। आम आदमी के लिए किसी कंपनी का लाइसेंस और आरबीआई का नाम ही भरोसे की गारंटी होता है। इस भरोसे को टूटने से बचाना नियामक की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।आरबीआई का यह कदम स्वागतयोग्य है, लेकिन इसे वित्तीय व्यवस्था की सफाई का अंत नहीं, बल्कि शुरुआत माना जाना चाहिए। क्योंकि सवाल सिर्फ 63 कंपनियों के पंजीकरण का नहीं है, सवाल उस करोड़ों लोगों की मेहनत की कमाई का है, जो वित्तीय संस्थानों पर भरोसा करके अपना भविष्य सुरक्षित समझते हैं। वित्तीय बाजार में कंपनियों के लाइसेंस रद्द करना आसान हो सकता है, लेकिन आम आदमी का टूटा हुआ भरोसा वापस लौटाना इतना आसान नहीं होगा।

मकान का ताला तोड नगदी व जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोड वहां से नगदी व जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राघव विहार प्रेमनगर निवासी राजीव भटट ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था। आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से जेवरात व 11 हजार रूपये नगद चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कांग्रेस के चुनावी 'चक्रव्यूह' की कमान

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 की सत्ता का संग्राम अब धीरे-धीरे निर्णायक मोड़ की ओर बढ़ रहा है। भाजपा ने मिशन 65 के लक्ष्य के साथ संगठन और सरकार को चुनावी मोड में लाना शुरू कर दिया है तो कांग्रेस भी अब दिल्ली से देहरादून तक अपनी राजनीतिक बिसात बिछाने में जुट गई है। कांग्रेस के लिए यह चुनाव केवल भाजपा को सत्ता से बाहर करने का अवसर नहीं, बल्कि राज्य गठन के बाद से लगातार बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच अपनी खोई हुई जमीन वापस हासिल करने की बड़ी चुनौती है।

कांग्रेस की चुनावी तैयारियों को लेकर दो नवंबर को दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी की मौजूदगी में हुई बैठक को इसी रणनीति का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, प्रीतम सिंह और हरक सिंह रावत सहित वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में संगठनात्मक एकजुटता, चुनावी अभियान और सरकार के खिलाफ जनमुद्दों को धार देने पर मंथन हुआ। पार्टी ने अगले एक महीने के लिए कार्यक्रम तैयार करने और केंद्रीय नेताओं की सभाओं के जरिए चुनावी माहौल बनाने की दिशा में भी कसरत की है।

कांग्रेस ने प्रदेश में नेतृत्व और चुनावी जिम्मेदारियों का संतुलन बनाने की कोशिश की है। गणेश गोदियाल प्रदेश अध्यक्ष के रूप में संगठन की कमान संभाल रहे हैं, यशपाल आर्य नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में सरकार को विधानसभा और राजनीतिक मंचों पर घेर रहे हैं, प्रीतम सिंह को चुनाव अभियान समिति की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि हरक सिंह रावत चुनाव प्रबंधन की भूमिका में हैं। इन जिम्मेदारियों के पीछे पार्टी की मंशा स्पष्ट है कि कोई भी बड़ा नेता खुद को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस न करे और सभी की ताकत चुनावी अभियान में लगे। लेकिन कांग्रेस का इतिहास बताता है कि पार्टी के भीतर जिम्मेदारियां बांटना जितना आसान है, नेताओं को एक रणनीति पर चलाना उतना

◆भाजपा के मिशन 65 के मुकाबले सत्ता वापसी की तैयारी
◆खरगे व राहुल की बैठक के बाद मैदान में उतरेंगे दिग्गज
◆संगठन से लेकर जनमुद्दों तक पर बनेगी चुनावी रणनीति

ही मुश्किल।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का राजनीतिक प्रभाव और उनका जनाधार भी कांग्रेस की रणनीति का अहम हिस्सा है। रावत ने हाल ही में साफ किया कि वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में नहीं हैं और उनका पहला मकसद 2027 में कांग्रेस की सरकार बनाना है। उन्होंने कम से कम 45 सीटें जीतने का लक्ष्य सामने रखा है और मुख्यमंत्री के चयन का फैसला हाईकमान पर छोड़ने की बात कही है। उनका यह बयान पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश माना जा रहा है।

हालांकि, हरीश रावत की व्यक्तिगत राजनीतिक सक्रियता और धन्यवाद यात्राओं को लेकर पहले भी संगठन के भीतर असहजता सामने आ चुकी है। हाईकमान की ओर से सामूहिक रणनीति पर जोर दिए जाने के बाद उनकी प्रस्तावित यात्राओं को स्थगित करना पड़ा था। यही घटनाक्रम बताता है कि कांग्रेस के सामने भाजपा से मुकाबले से पहले अपने नेताओं के बीच राजनीतिक सामंजस्य कायम करने की चुनौती कितनी बड़ी है। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा का 17 से 23 नवंबर तक प्रस्तावित उत्तराखंड दौरा संगठनात्मक तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण है। इस दौरान वह प्रदेश के नेताओं और संगठन के विभिन्न स्तरों के पदाधिकारियों के साथ चुनावी तैयारियों की समीक्षा करेंगी। 22 नवंबर को वरिष्ठ नेताओं की बैठक और 23 नवंबर को लोकभवन कूच की तैयारी भी पार्टी के राजनीतिक कार्यक्रम का हिस्सा है।

कांग्रेस की कोशिश है कि प्रदेश में सरकार के खिलाफ असंतोष को केवल सोशल मीडिया और प्रेस कॉन्फ्रेंस तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उसे सड़कों पर राजनीतिक अभियान का रूप दिया जाए। इसके लिए पार्टी ने भूमि बचाओ, धामी हटाओ अभियान को भी प्रमुखता दी है। जमीन से जुड़े सवाल, कथित अनियमितताएं और प्रदेश के संसाधनों को लेकर सरकार की नीतियां कांग्रेस के हमले के केंद्र में हैं। इस अभियान के तहत वरिष्ठ नेताओं को अलग-अलग क्षेत्रों में जिम्मेदारियां देने की रणनीति भी सामने

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

वीआईपी पर 'खामोशी' का राज

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में इन दिनों एक अजीब विडंबना दिखाई दे रही है। जिस प्रदेश की बेटी अंकिता भंडारी की हत्या ने पूरे राज्य को झकझोर दिया था, उसके माता-पिता आज भी न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं। उनके सवाल अब भी कायम हैं, वीआईपी की कथित भूमिका पर संदेह अब भी बना हुआ है और वह अपनी मांगों को लेकर लगातार आवाज उठा रहे हैं। लेकिन सत्ता के गलियारों में इन सवालों का सीधा जवाब देने के बजाय राजनीति की दिशा बदलने की कोशिशें तेज होती दिखाई दे रही हैं। सवाल यह है कि अंकिता के न्याय की मांग जब सरकार के सामने खड़ी है, तब 23 साल पुराने मामले को अचानक राजनीतिक बहस के केंद्र में लाने की जरूरत क्यों पड़ रही है?

पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत ने इसी सवाल को लेकर सरकार पर सीधा हमला बोला है। उनका आरोप है कि अंकिता के माता-पिता की न्याय की लड़ाई को कमजोर करने और प्रदेश की जनता का ध्यान वास्तविक मुद्दे से हटाने के लिए उनके खिलाफ पुराने प्रकरण को फिर से उछाला जा रहा है। हरक का कहना है कि 23 साल पुराने इस मामले में उन्हें पहले ही क्लीन चिट मिल चुकी है और वह निर्दोष साबित हो चुके हैं। ऐसे में वर्षों पुराने प्रकरण को फिर से राजनीतिक हथियार बनाना आखिर किस मकसद से किया जा रहा है?

हरक के इस बयान ने सत्ता पक्ष के सामने असहज सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि सरकार के पास अंकिता हत्याकांड से जुड़े सवालों के जवाब हैं तो उन्हें सामने रखने में हिचक कैसी? यदि अंकिता के माता-पिता की मांगों में कोई आधार नहीं है तो तथ्यों के साथ उनका जवाब दिया जाए। लेकिन एक संवेदनशील हत्याकांड

◆न्याय की गुहार बनाम सत्ता का वार, अंकिता से हरक तक उलझी उत्तराखंड की सियासत
◆माता-पिता दर-दर भटक रहे, सरकार जवाब देने के बजाय पुराने प्रकरण की आड़ में उलझा रही राजनीति
◆हरक सिंह रावत का पलटवार- न्याय के सवाल से भाग रही सत्ता, जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश

से जुड़े सवालों के बीच किसी दूसरे पुराने मामले को उछालकर राजनीतिक बहस का रुख बदलना क्या वास्तव में जवाबदेही से बचने की कोशिश नहीं है?

राजनीति का यह खेल उत्तराखंड की जनता के लिए नया नहीं है। जब सत्ता से सवाल पूछे जाते हैं तो जवाब देने के बजाय सवाल पूछने वालों की मंशा पर हमला शुरू हो जाता है। जब किसी संवेदनशील मामले में जवाबदेही तय करने की मांग उठती है तो बहस को दूसरे विवादों में उलझा दिया जाता है। अंकिता प्रकरण में भी अब कुछ ऐसा ही राजनीतिक टकराव दिखाई दे रहा है। अंकिता के माता-पिता की पीड़ा किसी राजनीतिक दल का एजेंडा नहीं, बल्कि एक बेटी को न्याय दिलाने की लड़ाई है। उनके सवालों का जवाब राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, ठोस तथ्यों और पारदर्शी जांच से दिया जाना चाहिए। लेकिन प्रदेश की राजनीति में इस समय प्राथमिकता न्याय के सवालों से ज्यादा एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने की दिखाई दे रही है।

हरक सिंह रावत और भाजपा के बीच राजनीतिक टकराव का इतिहास पुराना है। हरक के अतीत को सामने रखकर उन्हें राजनीतिक रूप से घेरने की कोशिश हो रही है तो हरक भी अंकिता प्रकरण को सरकार की सबसे संवेदनशील राजनीतिक कमजोरी के रूप में सामने रख रहे हैं। भाजपा की कोशिश हरक को उनके अतीत में उलझाने की है, जबकि हरक सरकार को उसके शासनकाल के सबसे संवेदनशील सवालों में उलझाए रखना चाहते हैं। इस लड़ाई में दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक हिसाब-किताब साध रहे हैं। भाजपा पुराने प्रकरणों के जरिए हरक की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना चाहती है तो हरक सरकार की जवाबदेही को अंकिता के न्याय से जोड़कर सत्ता को घेर रहे हैं। लेकिन इस राजनीतिक मुकाबले में सबसे बड़ा नुकसान उस मूल सवाल का हो रहा है, जिसके जवाब का इंतजार प्रदेश की जनता कर रही है।

लोकतंत्र में किसी भी व्यक्ति के अतीत की जांच और सवालों से परे होने का

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

रिलायन्स के टावर से चार बेटियां चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने रिलायन्स के टावर से चार बेटियां बरामद कर ली। चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। जिसकी तलाश जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रिलायन्स के टावर के केयर टेकर शुभम यादव ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका टावर सांई मन्दिर के पास लगा हुआ है। वह आज जब वहां पर पहुंचा तो उसने देखा कि टावर से चार बेटियां गायब थी। सीसीटीवी कैमरों को खंगाने के बाद एक चेहरा सामने आया। जिसकी पहचान विनीत कुमार निवासी मुजफ्फनगर के रूप में हुई जो उनके यहां पूर्व में काम कर चुका है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने वन विभाग चौकी के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 6.36 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम अजीत राजभर पुत्र देवनाथ निवासी कृष्णा नगर वीरभद्र बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

दिल्ली से दुबाई जाने के लिए टिकट के पर ठगे 53 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। दिल्ली से दुबई की टिकट बुक कराने के नाम पर 53 हजार रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर रोड निवासी विनय के शर्मा ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान हल्द्वानी निवासी प्रकाश उपाध्याय से हुई। प्रकाश ने उसको दिल्ली से दुबई जाने के लिए टिकट बुक कराने आ आश्वासन दिया और उससे 53 हजार ले लिये। न तो उसकी टिकट बुक हुई और न ही उसने उसके पैसे वापस किये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

महिला सांसद की सार्वजनिक प्रतिष्ठा को आहत करने पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। महिला सांसद के गिरमा व सम्मान को धूमिल करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भाजपा महिला मोर्चा मंत्री सुश्री नेहा शर्मा ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो तथा उससे से जुडे कैप्सन पोस्ट रील व टिप्पणियां प्रसारित करना जिससे सांसद सुश्री कंगना रनौत के सम्बन्ध में झुठा दावा किया जाना की करवाचौथ के अवसर पर प्रधानमंत्री की लम्बी आयु के लिए व्रत रखना तथा सम्बन्धित वीडियों राजस्थान जोधपुर में स्थित गणेश मंदिर चामुण्डा मंदिर व गजनन मंदिर की पूजा अर्चना का होना प्रसारित की गयी वीडिया एक आपराधिक आशय के साथ आपराधिक षडयन्त्र करते हुए धोखाधडी से कूटरचित इलेक्ट्रानिक दस्तावेज प्रस्तुत कर रंगीन वैवाहिक एवं मिथ्या इशारा किये जाने महिला सांसद की गरिमा सम्मान शाख एवं सार्वजनिक प्रतिष्ठा को गम्भीर रूप से आहत करने व उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने के आशय से प्रसारित किया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गौवंश पशु का वध करने पर एक गिरफ्तार, साथी फरार

संवाददाता

देहरादून। गौवंश पशु का वध करने पर पुलिस ने एक को गिरफ्तार कर लिया जब उसका साथी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने सोशएल बलूनी स्कूल जाने वाले रास्ते पर एक खाली प्लाट के पास झाडियों में दो लोगों को गौवंश पशु की वध करते हुए एक को पकड लिया। जबकि उसका दूसरा साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने उसके कब्जे से एक कुल्हाडी, लोके की छुरी दो रस्सी बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम शाहनवाज पुत्र मुनव्वर निवासी गंगोह व उसने अपने फरार साथी का नाम साकिब पुत्र इस्तकार निासी भगवानपुर बतायां। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सड़क सुरक्षा के लिए आगे आया देहरादून साइक्लिंग क्लब

◆ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर करेगा जनजागरूकता अभियान

नगर संवाददाता

देहरादून। शहर में लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं, तेज रफ्तार वाहनों और यातायात नियमों की अनदेखी को देखते हुए देहरादून साइक्लिंग क्लब ने यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए देहरादून ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर सहयोग एवं स्वयंसेवा करने की पहल की है। क्लब के सदस्य यातायात प्रबंधन, सड़क सुरक्षा जागरूकता और आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने में अपना योगदान देंगे।



इस संबंध में क्लब के अध्यक्ष हरिसिमरन सिंह ने कहा कि हाल ही में वसंत विहार क्षेत्र में रात्रि के समय गार्ड विनोद मल्ल की दो कारों की कथित रेसिंग के दौरान हुई दर्दनाक मृत्यु ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। यह घटना केवल एक व्यक्ति की जान जाने का मामला नहीं है, बल्कि देहरादून की सड़कों पर पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों, दोपहिया वाहन चालकों और आम नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

हरिसिमरन सिंह ने बताया कि देहरादून साइक्लिंग क्लब ने रात्रि के समय साइकिल से आवागमन करने वाले जरूरतमंद एवं मेहनतकश लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें बैक टेल सेफ्टी लाइट वितरित करने की पहल शुरू की है, ताकि पीछे से आने वाले वाहन चालकों को साइकिल की स्पष्ट पहचान हो सके। हालांकि, क्लब का मानना है कि केवल सेफ्टी लाइट वितरित करना पर्याप्त नहीं है। जब तक सड़क पर चलने वाले प्रत्येक नागरिक में यातायात नियमों, दूसरों की सुरक्षा और जिम्मेदार ड्राइविंग के प्रति जागरूकता नहीं आएगी, तब तक सड़क दुर्घटनाओं को प्रभावी ढंग से रोकना संभव नहीं है।

क्लब अध्यक्ष ने कहा कि देहरादून साइक्लिंग क्लब वर्ष 2013 से साइकिलिंग को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक जागरूकता के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। क्लब का उद्देश्य केवल साइकिलिंग को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि देहरादून की सड़कों को प्रत्येक नागरिक के लिए सुरक्षित बनाना भी है। उन्होंने देहरादून ट्रैफिक पुलिस, प्रशासन, सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, युवाओं और आम नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि सड़क केवल वाहनों के लिए नहीं है, बल्कि इस पर पैदल चलने वाले, साइकिल चालक, बुजुर्ग, बच्चे और हर आम नागरिक का समान अधिकार है। सड़क सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने दस पेटी शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमनगर थाना पुलिस ने चौकी झाझरा से आगे एक स्कूटी सवार को रोकर स्कूटी में रखे बोरे की तलाशी ली तो उसमें से दस पेटी शराब बरामद कर ली।

पूछताछ में उसने अपना नाम अर्जुन पुत्र प्रेमचंद निवासी भूडपुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

लाखों की स्मैक सहित नशा तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता



उत्तरकाशी। पहाड़ों में नशा तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से लाखों रूपये की स्मैक बरामद हुई है। जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली उत्तरकाशी पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले सामान की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को इन्द्रावती पुल के समीप एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 11.85 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम सन्तोष चौहान पुत्र कल्याण सिंह चौहान, निवासी अलेथ, मानपुर उत्तरकाशी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। बरामद स्मैक की कीमत 3.55 लाख रूपये बतायी जा रही है।

बाला साहब ठाकरे को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

नगर संवाददाता

देहरादून। शिव सेना उत्तराखंड ने होली फैमिली स्कूल में नन्हे-मुन्हे बच्चों के बीच बाला साहब ठाकरे को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके जीवन, उनके विचारों और उनके कार्यों को याद किया गया।



इस अवसर पर उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष सागर रघुवंशीने कहा कि बाला साहब ठाकरे सिर्फ एक नेता नहीं थे, वो एक विचार थे, एक आंदोलन थे। साहेब टाइगर थे, टाइगर ही रहेंगे। उन्होंने हमेशा हिंदुत्व, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की लड़ाई लड़ी। उन्होंने कभी किसी के सामने झुकना नहीं सिखाया। बाला साहब ने कभी किसी की आस्था का अपमान नहीं किया, उन्होंने हमेशा सबका सम्मान करना सिखाया। आज बाला साहब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका साहस, उनका विचार हर शिवसैनिक के दिल में जिंदा है। हम उनके दिखाए रास्ते पर हमेशा चलते रहेंगे।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज सरीन, प्रदेश महासचिव सुमित चौधरी, प्रदेश प्रचारक शिवम, महानगर अध्यक्ष मंजीत भट्ट, वरिष्ठ शिव सेना नेता रोशन गर्ग, वरिष्ठ शिव सेना नेता संजीव कपूर, प्रदेश प्रवक्ता संजीव दत्त मैठाणी, अलका, प्रिया, मीनाक्षी, रिया, संतोष एवं दर्जनों शिव सैनिक मौजूद रहे।

सर्दियों में सावधानी से करें रूम हीटर का इस्तेमाल



सर्दियां अब बढ़ रही हैं। अगले कुछ दिनों में कड़ाके की ठंड पडने के आसार हैं। ऐसे में लोगों ने घरों के रूम हीटर तैयार कर लिए हैं। ठंड के मौसम में रूम हीटर चलाकर कमरे में बैठना काफी राहत देता है। इसका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर होता है। हालांकि, एक्सपर्ट्स रूम हीटर (ऋशशद्व ङ्कद्गद्बड्डह्लद्गह्द) के कम इस्तेमाल की सलाह देते हैं। क्योंकि, इसके गंभीर खतरे भी हो सकते हैं। उनका कहना है कि गलती से भी रातभर हीटर चलाकर नहीं रखना चाहिए, वरना जानलेवा हो सकता है। पिछले कुछ सालों में रूम हीटर से मौत के भी कई मामले आ चुके हैं। इसलिए सावधानी बरतनी चाहिए।

सर्दियों में सावधानी से करें रूम हीटर का इस्तेमाल

एक्सपर्ट्स के अनुसार, सर्दियों में रूम हीटर इस्तेमाल सावधानीपूर्वक करना चाहिए। रूम हीटर को थोड़ी-थोड़ी देर के लिए ही चलाना चाहिए। रात में हीटर चलाकर सोने की भूल कभी नहीं करनी चाहिए। वरना यह जानलेवा भी हो सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर किसी रूम में वेंटिलेशन सही नहीं है तो ऐसा में रातभर हीटर चलाने से उस कमरे में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस भर जाती है और ऑक्सीजन कम हो सकती है। ऐसे में सोते-सोते सांस रूक भी सकती है। इसलिए ऐसी गलती करने से बचना चाहिए। रूम हीटर के साइड इफेक्ट्स को कम करने के लिए ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल कर सकते हैं। अस्थमा और सांस के मरीजों को तो हीटर जितना कम हो सके, उतना कम इ कम ही चलाना चाहिए।

रूम हीटर चलाने के 5 गंभीर नुकसान

1. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, रूम हीटर कमरे की हवा को ड्राई करने का काम करता है, जिससे स्किन ड्राईनेस हो सकती है। पहले से ड्राई स्किन वालों को रूम हीटर से पूरी तरह बचना चाहिए।

2. ज्यादा रूम हीटर चलाने से आंखें भी प्रभावित होती हैं। इससे आंखों में ड्राईनेस की समस्या हो सकती है और इरिटेशन फील हो सकता है। ऐसा होने पर हीटर तुरंत बंद कर दें।

3. कुछ लोगों को रूम हीटर से एलर्जी भी होती है। इससे निकली गर्म हवा से नाक भी ड्राई हो सकती है।

4. अस्थमा या सांस के मरीजों को रूम हीटर में ज्यादा देर तक नहीं रहना चाहिए। वरना कमरे में ऑक्सीजन का स्तर कम हो सकता है, इससे सांस में समस्या हो सकती है।

5. रूम हीटर से निकलने वाली कार्बन मोनो ऑक्साइड गैस सेहत के लिए खतरनाक होती है। यही कारण है कि लंबे समय तक रूम हीटर के इस्तेमाल से बचना चाहिए।

सूखी खांसी के इलाज के लिए कारगर है ये घरेलु नुस्खे

अब धीरे धीरे सर्दियाँ बढ़ने लगी है। मौसम में बदलाव के साथ खाँसी जुखाम जैसी समस्याएं भी पनपने लगी है। आमतौर पर हर किसी को कभी ना कभी खांसी जैसी समस्या होती है। बलगम वाली खांसी में सफेद या पीले रंग का बलगम बनता है लेकिन सूखी खांसी में किसी तरह का बलगम नहीं बनता है। सूखी खांसी के दौरान ऐसा लगता है जैसे गले में कुछ अटका हुआ है।

सूखी खांसी के कुछ घरेलु उपाय:

शहद: सूखी खांसी होने पर गर्म दूध में शहद को मिलाकर पीने से आराम मिलेगा इसके साथ ही खांसी की वजह से सीने के दर्द से भी राहत मिलेगी। इसके लिए एक चम्मच शहद का दिन में तीन बार सेवन करें।

तुलसी: तुलसी के पत्ते सूखी खांसी को दूर करने का रामबाण इलाज है। इसके लिए तुलसी के कुछ पत्तों को पानी में उबालकर इसमें छोड़ी सी चीनी डालकर रात में सोने से पहले पीना चाहिए।

हल्दी: एक चम्मच हल्दी को अजवाइन के साथ मिलाकर एक गिलास पानी में उबालें। जब उबलकर यह पानी आधा हो जाए तब इसमें थोड़ा सा शहद मिलाकर इसका दिन में कम से कम तीन बार सेवन करें।

अदरक और नींबू: इसके लिए अदरक को पीसकर एक कटोरी में उसका रस निकाल लें। उसमें एक चम्मच शहद मिलाकर इसे धीरे-धीरे चाट लें। इस तरह आप सूखी खाँसी से निजात पा सकते है।

सर्दियों में खूब धूप सेकें, उचित मात्रा में पानी पीते रहें





सर्दियां अपने साथ स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव भी लेकर आती हैं, ऐसे में खुद को बीमारियों से कैसे बचाएं और सर्दियों का पूरा मजा कैसे लें, यह अच्छी तरह जान लेने की जरूरत है। चिकित्सक की सलाह है कि सर्दियों में खूब धूप सेकें, क्योंकि ऐसा न करना विटामिन-डी की कमी, अवसाद, जोड़ों के दर्द, रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी का कारण बनता है। दिन की शुरुआत नाश्ते से पहले आधा लीटर पानी पीकर करें और हर घंटे बाद उचित मात्रा में पानी पीते रहें।

यह माना हुआ तथ्य है कि सर्दियों में दिल और दिमाग के दौरे या कार्डियक अरेस्ट की वजह से मौतों के मामले बढ़ने लगते हैं। इसके कई कारण हैं। पहला तो दिन छोटे हो जाते हैं, जिससे हार्मोन में असंतुलन पैदा होता है और शरीर में विटामिन-डी की कमी आती है। इससे दिल और दिमाग के दौरे की आशंका रहती है।

ठंडे मौसम में दिल की धमनियां सिकुड़ जाती हैं, जिससे दिल को रक्त और ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। ठंडे मौसम में खास कर उम्रदराज लोगों को अवसाद घेर लेता है, जिससे उनमें तनाव और हाईपरटेंशन काफी बढ़ जाता है। सर्दियों के अवसाद से पीड़ित लोग अक्सर ज्यादा चीनी, ट्रांस फैट और सोडियम व ज्यादा कैलोरी वाला आरामदायक भोजन खाने लगते हैं जो डायबिटीज और हाईपरटेंशन से पीड़ित लोगों के लिए बहुत ही खतरनाक हो सकता है।

इन बातों का रखें ध्यान:

अच्छी सेहत के लिए सॉल्युबल और इनसॉल्युबल फाइबर से भरपूर आहार लें जिसमें इसबगोल का छिलका, सेब, ओनब्रैन और दालें खाएं। इनसॉल्युबल में संपूर्ण अनाज, ब्रोकली, सूखे मेवे, सीडज और वेजीटेबल स्किन शामिल होते हैं। फाइबर कई गंभीर बीमारियों से रक्षा करता है। फाइबर अपच सिंड्रोम में भी मदद करता है।

उचित मात्रा में पानी पीने से ऊर्जा, मानसिक स्पष्टता और बेहतर पाचन बना रहता है। अपने दिन की शुरुआत नाश्ते से पहले आधा लीटर पानी पीकर करें और हर घंटे बाद उचित मात्रा में पानी पीते रहें।

कच्चे फल, सब्जियां, अंकुरित अनाज, सूखे मेवे, बीज और ताजा जड़ी बूटियां अपने आहार में शामिल करें। कच्चे आहार एनजाइम, विटामिन और रोग प्रतिरोधक एंटीऑक्सीडेंट प्रदान करते हैं।

80 से 90 प्रतिशत लोग विटामिन-डी की कमी से पीड़ित हैं जो सर्दी के अवसाद, जोड़ों के दर्द, रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी का कारण बनता है। इससे सर्दियों में काफी धूप लें। अच्छे भोजन में सात रंग और 6 स्वाद शामिल होते हैं। लाल सेब लाइकोपीन, हरी पत्तेदार सब्जियों और फलों में बी-कॉम्पलेक्स और नारंगी वस्तुओं से विटामिन-सी मिलता है। इसी तरह मीठे, कसैले और नमकीन स्वाद वजन बढ़ाते हैं, तीखे, खट्टे और कड़वे स्वाद वजन कम करते हैं। धूम्रपान वालों में अस्थमा और सांस की बीमारियां सर्दियों में आम हो जाती हैं, जो दिल के दौरे का खतरा भी बढ़ाती हैं।

शब्द सामर्थ्य - 70

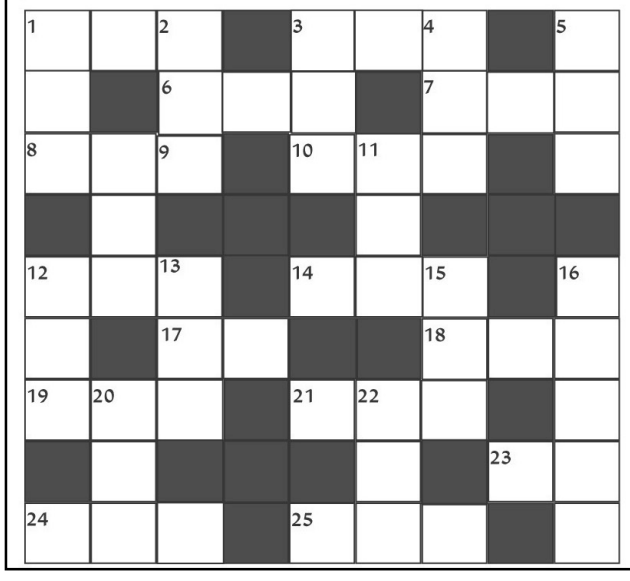
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 69 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

देवराहा बाबा पर बनेगी फिल्म मचान बाबा'

नीम करौली बाबा से प्रेरित फिल्म हनुमान अंश' की सफलता के बाद अब संत देवराहा बाबा के जीवन से प्रेरित फिल्म मचान बाबा' बनने जा रही है। फिल्म का शीर्षक पोस्टर जारी कर दिया गया है। इसका निर्माण ब्रिटेन में स्थापित भारतीय मूल की कारोबारी पूनम गुप्ता ओबीई और अमेरिका में रहने वाले उद्यमी विकल्प पालीवाल कर रहे हैं। फिल्म को 2027 में रिलीज करने की योजना है। फिल्म का निर्माण ओजस फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है। यह ओजस सॉफ्टेक की फिल्म और सामग्री निर्माण इकाई है। ओजस सॉफ्टेक के प्रमुख डिजिटल ब्रांडों में एस्ट्रोसेज एआई भी शामिल है, जो ज्योतिष और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जोड़ने वाला एक प्रमुख डिजिटल मंच है। पूनम गुप्ता ब्रिटेन की कारोबारी दुनिया में पेपर क्वीन' के नाम से भी जानी जाती हैं। उन्होंने ब्रिटेन में अपने कारोबारी समूह के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। वहीं, फिल्म के सह-निर्माता विकल्प पालीवाल का जन्म और पालन-पोषण लखनऊ में हुआ। वह वर्तमान में अमेरिका के टेक्सास राज्य के ऑस्टिन शहर में रहते हैं और सूचना प्रौद्योगिकी तथा अचल संपत्ति के कारोबार से जुड़े हैं। मचान बाबा' की घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब भारतीय संत परंपरा और आध्यात्मिक व्यक्तित्वों से जुड़ी कहानियों में दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ रही है। हाल में नीम करौली बाबा से प्रेरित फिल्म हनुमान अंश' की सफलता ने भी इस तरह की कहानियों की सिनेमाई संभावनाओं को रेखांकित किया है।

नीम करौली बाबा और देवराहा बाबा लगभग एक ही दौर में सक्रिय रहे थे। मचान बाबा' के लिए किए जा रहे शोध के दौरान सामने आए संस्मरणों और मौखिक विवरणों में दोनों संतों की मुलाकातों का उल्लेख मिलता है। इन विवरणों के अनुसार, नीम करौली बाबा, देवराहा बाबा के प्रति विशेष सम्मान रखते थे।

फिल्म की निर्माता पूनम गुप्ता ओबीई ने कहा कि देवराहा बाबा का जीवन आध्यात्मिक दृष्टि के साथ-साथ ऐतिहासिक और मानवीय दृष्टिकोण से भी बेहद दिलचस्प है। उनकी आयु, मचान पर रहने की जीवनशैली, आम लोगों से जुड़ाव और देश के प्रमुख व्यक्तित्वों से मुलाकातों से जुड़े कई प्रसंग हैं।

उन्होंने कहा, हमारी कोशिश होगी कि इस कहानी को श्रद्धा के साथ-साथ गंभीर शोध और सिनेमाई संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया जाए। फिल्म के दूसरे निर्माता विकल्प पालीवाल ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक परंपरा में ऐसी कई कहानियां हैं, जिनमें वैश्विक दर्शकों को आकर्षित करने की क्षमता है। मचान बाबा' की कहानी पूरी तरह भारतीय है, लेकिन इसके भीतर मौजूद रहस्य, विश्वास और मानवीय अनुभव सार्वभौमिक हैं। उन्होंने कहा कि निर्माताओं की कोशिश इस कहानी को ऐसी सिनेमाई भाषा में प्रस्तुत करने की है, जो भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय दर्शकों से भी संवाद कर सके।

देवराहा बाबा अपनी विशिष्ट जीवनशैली के लिए जाने जाते थे। वह लंबे समय तक नदी किनारे बने ऊंचे मचान पर रहते थे और वहीं से श्रद्धालुओं से मिलते थे। उनकी वास्तविक आयु को लेकर अलग-अलग दावे किए जाते रहे हैं और उनके जीवन का बड़ा हिस्सा आज भी रहस्य से घिरा हुआ है। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने 2009 में संसद में अपने एक भाषण के दौरान कहा था कि 1911 में जॉर्ज पंचम ने भी देवराहा बाबा से मुलाकात की थी। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी से जुड़े प्रसंग भी देवराहा बाबा के जीवन की चर्चित घटनाओं में शामिल हैं। इसके अलावा, कई अन्य प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों के उनसे मिलने के उल्लेख विभिन्न संस्मरणों और उपलब्ध अभिलेखों में मिलते हैं। फिल्म फिलहाल शोध और निर्माण-पूर्व तैयारी के चरण में है। निर्माताओं के अनुसार, देवराहा बाबा से जुड़ी पुस्तकों, तस्वीरों, पुराने दस्तावेजों, प्रत्यक्षदर्शियों के विवरण और अन्य उपलब्ध अभिलेखीय सामग्री का अध्ययन किया जा रहा है। निर्माताओं का कहना है कि मचान बाबा' का उद्देश्य देवराहा बाबा से जुड़े चमत्कारों को केवल सनसनीखेज तरीके से प्रस्तुत करना नहीं है, बल्कि उनके व्यक्तित्व से जुड़े इतिहास, आस्था, राजनीति और रहस्य की विभिन्न परतों को सामने लाना है। फिल्म को 2027 में रिलीज करने की योजना है।

इमरान हाशमी की हॉरर फिल्म रुह का मोशन-पोस्टर जारी, 2027 में तीन भाषाओं में होगी प्रदर्शित

अभिनेता इमरान हाशमी की आगामी संगीतमय हॉरर फिल्म रूह' का पहला प्रचारात्मक चलचित्र पोस्टर निर्माताओं ने सामाजिक माध्यमों पर जारी कर दिया है। फिल्म की घोषणा इसी साल जून में की गई थी। मयंक शर्मा के निर्देशन में बनी यह रहस्य और रोमांच से भरपूर फिल्म इमरान हाशमी की हॉरर फिल्मों में वापसी मानी जा रही है।

इमरान इससे पहले राज 2' और एक थी डायन' जैसी फिल्मों में डरावनी भूमिकाओं के जरिए दर्शकों के सामने आ चुके हैं। रूह' का निर्माण टिप्स फिल्म्स और विकेड फिल्म्स के सहयोग से किया जा रहा है। फिल्म की पटकथा मयंक शर्मा और विशाल कपूर ने संयुक्त रूप से लिखी है।

जारी किए गए प्रचारात्मक चलचित्र पोस्टर में एक घना और रहस्यमयी जंगल दिखाई देता है। इसी जंगल में एक पेड़ के पीछे इमरान हाशमी लंबे बालों और डरावने अंदाज में नजर आते हैं। पोस्टर के साथ सुनाई देने वाला तेज और भयावह संगीत फिल्म के डरावने माहौल को और प्रभावशाली बनाता है। इसके साथ निर्माताओं ने संदेश दिया है, डर जितना गहरा होगा, संगीत उतना ही बड़ा होगा।'

फिलहाल फिल्म की कहानी और अन्य कलाकारों से जुड़ी जानकारी को गोपनीय रखा गया है। निर्माताओं के अनुसार, रूह' वर्ष 2027 में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म के पहले पोस्टर के जारी होने के बाद दर्शकों में इसके कथानक और संगीत को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

जाह्नवी कपूर पर भड़कीं रेजिना कैसेंड्रा!



तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ होने वाले बर्ताव को लेकर चर्चा जारी है। इस बीच अभिनेत्री रेजिना कैसेंड्रा ने भी अपनी राय रखी है। उन्होंने जाह्नवी कपूर और राधिका आप्टे के अपने अनुभव साझा करने का स्वागत किया, लेकिन उनके बात रखने के तरीके पर सवाल उठाए। रेजिना ने कहा कि ऐसे मुद्दों पर चर्चा करते समय सावधानी बरतनी चाहिए ताकि बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के बीच बेवजह विवाद न बढ़े।

रेजिना कैसेंड्रा ने कहा कि अगर कलाकार किसी सीन या अपने किरदार के चित्रण से असहज हैं, तो उन्हें खुलकर स्टैंड लेना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर कलाकार किसी सीन से असहमत हैं तो उन्हें बिना मन के काम करते रहने के लिए मजबूर महसूस नहीं करना चाहिए।

रेजिना ने बेहद सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि आखिरकार हर फैसला कलाकार के अपने हाथ में होता है।

रेजिना ने कहा कि कलाकारों को कभी ये नहीं कहना चाहिए कि उनके पास कोई रास्ता नहीं था।

रेजिना ने साफ कहा कि एक महिला होने के नाते वो हमेशा दूसरी महिलाओं का साथ देंगी। हालांकि, उनके मुताबिक जाह्नवी कपूर और राधिका आप्टे जैसी बड़ी अभिनेत्रियां यह नहीं कह सकतीं कि उनके पास कोई फैसला लेने का अधिकार नहीं था। अगर उन्हें किसी बात से परेशानी थी तो वे फिल्म छोड़ सकती थीं।

जाह्नवी के मुताबिक, उन्हें कई बार पता नहीं होता था कि किसी सीन को कैसे फिल्माया जाएगा। इस पर रेजिना बोलीं, साउथ में शूटिंग वाले दिन सुबह 6 बजे भी सीन दिए जाते हैं, लेकिन कलाकारों को कहानी और अपने किरदार की जानकारी पहले से होती है। कोई भी बिना तैयारी सेट पर नहीं पहुंचता। कई फिल्मों में तो शूटिंग शुरू होने से पहले ही पूरी स्क्रिप्ट दे दी जाती है, ताकि कलाकार अपने किरदार को अच्छी तरह समझ सकें।

रेजिना ने कहा कि वो जाह्नवी और राधिका के अपनी बात रखने का समर्थन करती हैं, लेकिन बॉलीवुड अभिनेत्रियों को साउथ के बारे में सोच-समझकर बोलना चाहिए।

महाकाली में देवी के दिव्य अवतार में दिखीं श्रिया रेड्डी



प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म महाकाली' को लेकर दर्शकों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। हनुमान' की शानदार सफलता के बाद इस सिनेमाई ब्रह्मांड की अगली पेशकश महाकाली' में भारतीय पौराणिक कथाओं को एक नए और आधुनिक अंदाज में प्रस्तुत किया जाएगा। इसे भारतीय सिनेमा की पहली महिला सुपरहीरो फिल्मों में से एक बताया जा रहा है। फिल्म में अक्षय खन्ना असुर गुरु शुक्राचार्य की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि भूमि शेट्टी मुख्य भूमिका में देवी महाकाली की शक्ति धारण करती दिखाई देंगी। यूट्यूब पर जारी किए गए वीडियो 'आई गिरी नंदिनी' में अभिनेत्री श्रिया रेड्डी देवी महाकाली के अवतार में नजर आ रही हैं। उनके दिव्य और शक्तिशाली रूप को गीत में प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। गाने में देवी की शक्ति, भव्यता और आध्यात्मिक स्वरूप की झलक देखने को मिलती है। इस गीत को अनिला राजीव, गीता माधुरी और साई चरण ने अपनी आवाज दी है। इसके बोल आदि शंकराचार्य द्वारा रचित पारंपरिक स्तोत्र पर आधारित हैं, जबकि इसका संगीत स्मरण साई ने तैयार किया है। फिल्म में अक्षय खन्ना असुर गुरु शुक्राचार्य के महत्वपूर्ण किरदार में दिखाई देंगे। वहीं, भूमि शेट्टी देवी महाकाली की शक्ति धारण करने वाली मुख्य पात्र की भूमिका निभा रही हैं। श्रिया रेड्डी भी फिल्म में महाकाली के रूप में नजर आएंगी। इसके अलावा रोहित सराफ, खुशबू सुंदर, राकेश बेदी, जितिन गुलाटी, रजत कपूर, मुरली शर्मा और नासर सहित कई कलाकार अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। महाकाली' प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसकी शुरुआत वर्ष 2024 में प्रदर्शित फिल्म हनुमान' से हुई थी। इस फिल्म ने भारतीय संस्कृति और पौराणिक कथाओं को आधुनिक सिनेमाई शैली में प्रस्तुत कर दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई थी। अब इसी कड़ी में महाकाली' के माध्यम से महिला सुपरहीरो की कहानी बड़े पर्दे पर पेश की जा रही है। फिल्म का निर्देशन पूजा अपर्णा कोल्लुरु कर रही हैं। आरके दुग्गल इस फिल्म को प्रस्तुत कर रहे हैं, जबकि रिवाज रमेश दुग्गल ने आरकेडी स्टूडियोज के बैनर तले इसका निर्माण किया है। फिल्म को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है। महाकाली' 8 जनवरी 2027 को देशभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

हरिनाम संकीर्तन से गूंजा धर्मपुर, आज अजबपुर पहुंचेगी प्रभात फेरी

हमारे संवाददाता



देहरादून। सिद्धपीठ प्राचीन श्री शिव मंदिर, धर्मपुर चौक की ओर से कार्तिक मास के पावन अवसर पर निकाली जा रही प्रभात फेरी मंगलवार को सुमन नगर क्षेत्र से होकर गुजरी। श्रद्धालुओं ने हरिनाम संकीर्तन करते हुए भक्ति का संदेश दिया।

बुधवार को प्रभात फेरी मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर हरिद्वार रोड, रेवती नर्सिंग होम वाली सड़क से शिव मंदिर अजबपुर पहुंचेगी। सीताराम कश्यप के आवास पर विश्राम के बाद चंद्र सिंह गढ़वाली मार्ग एवं मोथरोवाला रोड होते हुए मंदिर लौटेगी। इस दौरान पाल मोहल्ले की ओर से प्रभात फेरी का भव्य स्वागत किया जाएगा। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

जबरन विद्युत पोल लगाने का आरोप हटाने के लिए काट रहे चक्कर

नई टिहरी(आरएनएस)। कलेक्ट्रेट सभागार में सीडीओ वरुणा अग्रवाल की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। नरेंद्रनगर ब्लॉक के ग्राम जंगलेथ निवासी सुशीला देवी ने आपदा के दौरान मकान क्षतिग्रस्त होने की समस्या उठाई। उन्होंने सुरक्षित स्थान पर विस्थापित किए जाने की मांग की। सीडीओ ने एसडीएम नरेंद्रनगर को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।जौनपुर ब्लॉक के ग्राम झकोगी निवासी जबर सिंह ने बंग्याल- ज्वारन मोटर मार्ग पर भौकियाल से उसत्याण तक दो किलोमीटर सड़क निर्माण की मांग की। उन्होंने बताया कि इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। सीडीओ ने लोनिवि चंबा को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। नई टिहरी के मॉडल हाउस निवासी सत्य प्रसाद नौटियाल ने बिजली का बिल अधिक आने की शिकायत करते हुए मीटर बदलने की मांग की।थौलधार के ग्राम बौर निवासी आजाद सिंह ने पैत्रक भूमि पर जबरन विद्युत पोल लगाए जाने की शिकायत दर्ज की। उन्होंने बताया कि लाइनमैन कई दिनों से पोल हटाने की बात कह रहा है, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई।

सू- दोकू क्र. 70

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 69 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर, जनता बदलाव के लिए तैयार: प्रदीप टम्टा

अल्मोड़ा(आरएनएस)। पूर्व राज्यसभा सांसद एवं कांग्रेस नेता प्रदीप टम्टा ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार, विकास कार्यों की अनदेखी और जनहित के मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला।

कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के करीब दस वर्ष के कार्यकाल में उत्तराखंड में भ्रष्टाचार और माफिया गतिविधियां बढ़ी हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है और आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य से जुड़े कथित 21० करोड़ रुपये के मामले पर टम्टा ने कहा कि मंत्री के पति की ओर से लगाए गए आरोप गंभीर हैं और उनकी उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए हैं तो सभी आरोपों की जांच होना जरूरी है। टम्टा ने जांच पूरी होने तक रेखा आर्य को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पर आरोप लगाया कि सरकार एक पक्ष के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, जबकि दूसरे पक्ष पर लगाए गए आरोपों की जांच नहीं की जा रही है। सोमेश्वर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों पर सवाल उठाते हुए टम्टा ने कहा कि भाजपा सरकार के दस वर्षों के कार्यकाल में क्षेत्र में खेल स्टेडियम तक नहीं बन पाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्थापित बड़े अस्पताल, स्कूल और कॉलेज कांग्रेस सरकार के समय की देन हैं, जबकि भाजपा सरकार इन विकास कार्यों का श्रेय लेने का प्रयास कर रही है। रेखा आर्य के हालिया बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए टम्टा ने अंकिता भंडारी हत्याकांड सहित बेटियों और महिलाओं से जुड़े मामलों का उल्लेख किया।

उन्होंने सवाल उठाया कि अंकिता भंडारी हत्याकांड के समय बेटियों के सम्मान और न्याय को लेकर मंत्री की संवेदनशीलता कहां थी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में दलित हत्या, नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म और महिला उत्पीड़न की घटनाओं के दौरान भी सरकार की भूमिका सवालों के घेरे में रही है। धारचूला प्रकरण को लेकर टम्टा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि क्षेत्रीय विधायक की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विधायक की बात नहीं सुनी। बाद में हुए हंगामे के बाद कांग्रेस विधायक और कई कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए। उन्होंने सरकार से मुकदमे वापस लेने की मांग की।

टम्टा ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा सरकार की कार्यशैली से परेशान है और आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता परिवर्तन का मन बना चुकी है। पत्रकार वार्ता में विधायक मनोज तिवारी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल, कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र भोज, महानगर अध्यक्ष तारा चंद्र जोशी, पूर्व जिलाध्यक्ष पीतांबर पांडे और राजेंद्र बाराकोटी सहित अन्य कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

शीतकाल के लिए बंद हुए भगवान घंटाकर्ण मंदिर के कपाट

चमोली(आरएनएस)। बदरीनाथ क्षेत्र के क्षेत्रपाल भगवान घंटाकर्ण मंदिर के कपाट विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। रविवार मध्य रात्रि के बाद दूसरे पहर में विशेष पूजा-अर्चना के बाद भगवान घंटाकर्ण की मूर्ति को गुप्त स्थान पर समाधिस्थ कर दिया गया। इससे पूर्व भगवान घंटाकर्ण की मूर्ति को मंदिर के बारीदारों के यहां ले जाया गया। यहां तिल के तेल और कपास की बाती का दीपक प्रज्वलित किया गया। इसके बाद मध्य रात्रि के दूसरे पहर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मूर्ति को गुप्त स्थान पर समाधिस्थ किया गया। माणा गांव के पूर्व ग्राम प्रधान पीतांबर मोल्फा ने बताया कि भगवान घंटाकर्ण बदरीनाथ धाम के क्षेत्रपाल हैं। ग्रीष्मकाल में बदरीनाथ मंदिर के कपाट खुलने के बाद भगवान घंटाकर्ण मंदिर के कपाट भी परंपरानुसार विधि-विधान से खोले जाते हैं।

गैरसैंण स्थायी राजधानी के लिए निकाली जागरूकता रैली

हल्द्वानी(आरएनएस)। गैरसैंण स्थायी राजधानी की मांग को लेकर बुद्ध पार्क में चल रहा आंदोलन रविवार को 29वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान पूर्व आईएएस विनोद प्रसाद रतूड़ी के नेतृत्व में बाजार में जागरूकता रैली निकाली गई। लोगों से गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाने की मांग के समर्थन में जागरूक होने की अपील की गई। आंदोलनकारियों ने कहा कि गैरसैंण पहाड़ी राज्य उत्तराखंड की आत्मा है। वहां से सरकार का संचालन होने पर पहाड़ के विकास का सपना साकार हो सकेगा। पहाड़ी आर्मी के संस्थापक अध्यक्ष हरीश रावत ने कहा कि राज्य निर्माण के लिए लोगों ने शहादत दी, लेकिन आज भी प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों से पलायन जारी है। राज्य आंदोलनकारी गोपाल दत्त कोठारी और पूर्व दर्जाधारी हरीश पनेरु ने एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। क्रमिक अनशन पर पहाड़ी आर्मी की गीता बिष्ट और हरेंद्र राणा बैठे। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर आमरण अनशन का रास्ता भी अपनाया जा सकता है। इस दौरान राज्य आंदोलनकारी रामेश्वर शर्मा, ललित मोहन जीना, राजेंद्र कांडपाल, कविता जीना, महेश तिवारी, अंजू पांडे, आनंद राम, देवेंद्र सयालाकोटी, मोहन पाठक, दीपा बोरा, बसंती देवी, मोहन बोरा आदि मौजूद रहे।

आईडीपीएल में इगास पर होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

ऋषिकेश(आरएनएस)। आईडीपीएल ग्राउंड में 2० नवंबर को लोकपर्व इगास हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। शाम चार बजे से आयोजन शुरू होगा, जिसमें जागर सम्राट पद्मश्री प्रतीम भरतवाण प्रस्तुति देंगे। रेलवे रोड स्थित एक होटल में प्रेसवार्ता कर पूर्व मेयर अनीता ममगाईं ने यह जानकारी दी। बताया कि कार्यक्रम में भैलो खेलने और ढोल-दमाऊ की थाप पर लोक संस्कृति की झलक दिखेगी। राज्य पारंपरिक और स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद भी लोग ले सकेंगे। हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भी आमंत्रित किया गया है।

अंकिता मामले में विनोद आर्य की गिरफ्तारी की मांग, पहाड़ी महासभा ने कोतवाली में किया प्रदर्शन

हरिद्वार(आरएनएस)। अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी की भूमिका और मृतका से जुड़ी चैट सार्वजनिक किए जाने के विरोध में पहाड़ी महासभा ने हरिद्वार कोतवाली में प्रदर्शन किया। महासभा के पदाधिकारियों ने पुलकित आर्य के पिता पूर्व दर्जाधारी विनोद आर्य के खिलाफ कार्रवाई और उनकी गिरफ्तारी की मांग उठाते हुए पुलिस को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अंकिता के चरित्र को लेकर सवाल उठाना और उसकी निजी चैट सार्वजनिक करना बेहद निंदनीय है। महासभा के अध्यक्ष तरुण व्यास ने कहा कि विनोद आर्य हत्याकांड में शामिल कथित वीआईपी को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश की बेटी की चैट सार्वजनिक कर उसके चरित्र का हनन किया जा रहा है। महासभा इसकी घोर निंदा करती है। उन्होंने कहा कि किसी मृतक बेटी के चरित्र पर सवाल उठाना महापाप है। अंकिता के माता-पिता न्याय के लिए दर-दर भटक रहे हैं, जबकि आरोपियों की ओर से उन्हीं पर प्रताड़ना के आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने पुलिस से विनोद आर्य के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की।लता जोशी और सरिता पुरोहित ने कहा कि भाजपा सरकार में महिलाओं, युवतियों और बच्चियों के शोषण की घटनाएं सामने आ रही हैं। पीड़ितों को न्याय मिलने के बजाय उन्हें ही कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। उन्होंने अंकिता के माता-पिता के साथ सरकार के रवैये पर भी सवाल उठाए। कहा कि पुलकित आर्य के पिता को कथित वीआईपी का नाम सार्वजनिक करना चाहिए, ताकि मामले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई हो सके। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए मामले से जुड़े सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच की जाए और कथित वीआईपी की भूमिका सामने लाकर दोषियों को जेल भेजा जाए। प्रदर्शनकारियों में जसवंत सिंह बिष्ट, शरत चंद ध्यानी, टीएस रावत, जगत सिंह रावत, सतीश जोशी, रवि बाबू शर्मा, जेपी बडोनी, सरोजनी जोशी, रमेश चंद पंत, कैलाश भट्ट, दीपक, अरुण प्रकाश, भगवान जोशी, गुलाब सिंह और अमित गोसाईं सहित कई लोग मौजूद रहे।

घर के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खडी मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार केदारवाला निवासी सुरेन्द्र सिंह ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

वीआईपी पर 'खामोशी' का राज..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

अधिकार किसी को नहीं है। लेकिन किसी पुराने मामले को राजनीतिक सुविधा के हिसाब से उछालना और वर्तमान के गंभीर सवालों से बचने का माध्यम बनाना भी उचित नहीं है। हरक सिंह रावत के दावे की सच्चाई संबंधित दस्तावेजों से तय होगी, लेकिन अंकिता के माता-पिता की न्याय की मांग अपनी जगह कायम है। सरकार को समझना होगा कि अंकिता भंडारी का मामला किसी नेता की राजनीतिक प्रतिष्ठा बचाने या किसी दूसरे नेता को कठघरे में खड़ा करने का औजार नहीं है। यह एक बेटी की हत्या, उसके परिवार की पीड़ा और न्याय व्यवस्था से जुड़े भरोसे का सवाल है। इसे राजनीतिक शोर में दबाने की कोशिश जितनी बढ़ेगी, सरकार से जवाब मांगने वाली आवाजें उतनी ही तेज होंगी।

आखिर सरकार बताए कि अंकिता के माता-पिता के सवालों का जवाब कब मिलेगा? वीआईपी की कथित भूमिका पर स्थिति कब स्पष्ट होगी? और न्याय की मांग करने वाले परिवार को कब लगेगा कि उसकी आवाज सत्ता तक पहुंच रही है?23 साल पुराने पन्ने पलटने से वर्तमान के सवाल मिट नहीं जाते। राजनीतिक आरोपों से अंकिता के माता-पिता की पीड़ा कम नहीं होती। सत्ता चाहे जितनी कोशिश कर ले, अंकिता के न्याय का सवाल किसी दूसरे विवाद के नीचे दबने वाला नहीं है।

कांग्रेस के चुनावी 'चक्रव्यूह' की कमान..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

आई है। प्रीतम सिंह विकासनगर, गणेश गोदियाल मसूरी और हरीश रावत हरिद्वार क्षेत्र में राजनीतिक अभियान को धार देने की भूमिका में रखे गए हैं। पार्टी की मंशा स्थानीय मुद्दों को प्रदेशव्यापी राजनीतिक बहस में बदलने की है।

कांग्रेस के पास सरकार को घेरने के लिए मुद्दों की लंबी फेहरिस्त है। अंकिता भंडारी हत्याकांड में वीआईपी की कथित भूमिका और उसके माता-पिता की न्याय की मांग, बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियां, पलायन, भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा, भू-कानून और मूल निवास जैसे सवाल पार्टी के राजनीतिक एजेंडे में हैं। इसके अलावा स्कूलों के मिड-डे मील और गर्भवती महिलाओं के खाद्यान्न से जुड़े कथित 21० करोड़ रुपये के घोटाले का मुद्दा भी कांग्रेस उठा रही है। पार्टी इन मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है। हालांकि, कांग्रेस के सामने चुनौती यह है कि अलग-अलग मुद्दों पर अलग-अलग बयान देने के बजाय इन्हें एक साझा राजनीतिक अभियान में कैसे बदला जाए।

पार्टी की रणनीति में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की प्रस्तावित सभाओं को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। केंद्रीय नेताओं के कार्यक्रमों से कार्यकर्ताओं में उत्साह पैदा करने और भाजपा के मुकाबले कांग्रेस की राजनीतिक मौजूदगी मजबूत करने की कोशिश होगी। दूसरी ओर भाजपा पहले ही 2०27 के लिए मिशन 65 का लक्ष्य घोषित कर चुकी है। संगठनात्मक विस्तार, बूथ प्रबंधन, चुनावी विस्तारकों और सरकार की उपलब्धियों के प्रचार के जरिए पार्टी अपनी तीसरी लगातार जीत की जमीन तैयार कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के सामने सत्ता की हैट्रिक का लक्ष्य है। भाजपा के मुकाबले कांग्रेस को केवल सत्ता विरोधी माहौल पर निर्भर रहने से काम नहीं चलेगा। उसे यह भी बताना होगा कि सत्ता में लौटने पर पहाड़ की अर्थव्यवस्था, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा और पलायन जैसी समस्याओं से निपटने के लिए उसका रोडमैप क्या होगा।

कांग्रेस के सामने एक और चुनौती टिकट वितरण की है। प्रदेश की 7० विधानसभा सीटों पर मजबूत प्रत्याशी तलाशना, स्थानीय समीकरणों को साधना और चुनाव से पहले संभावित बगावत को रोकना आसान नहीं होगा। खासकर उन सीटों पर जहां पार्टी के भीतर कई दावेदार सक्रिय हैं, वहां समय रहते सहमति बनाना जरूरी होगा। कांग्रेस की मौजूदा कवायद से साफ है कि पार्टी अब 2०27 को लेकर गंभीरता से मैदान तैयार कर रही है। दिल्ली में हाईकमान की बैठक से लेकर प्रदेश प्रभारी के दौरे और जनआंदोलनों की रणनीति तक, पार्टी चुनावी तैयारी को गति देने की कोशिश में है। लेकिन कांग्रेस की असली परीक्षा बैठकों की संख्या या बड़े नेताओं की सभाओं से नहीं होगी।

पार्टी को यह साबित करना होगा कि गणेश गोदियाल, यशपाल आर्य, प्रीतम सिंह, हरीश रावत और हरक सिंह रावत जैसे प्रभावशाली नेता एक-दूसरे के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि एक साझा चुनावी लड़ाई के सहयोगी हैं। 2०27 में भाजपा के सामने कांग्रेस की चुनौती बड़ी है। भाजपा के पास सत्ता और संगठित चुनावी मशीनरी है, जबकि कांग्रेस के पास सरकार को घेरने के लिए कई संवेदनशील जनमुद्दे हैं। लेकिन जनमुद्दे अपने आप वोट में नहीं बदलते। इसके लिए संगठन, नेतृत्व, रणनीति और जनता के बीच भरोसे की जरूरत होती है। कांग्रेस के लिए 2०27 की लड़ाई भाजपा को हराने से पहले खुद को एकजुट साबित करने की लड़ाई है। यदि दिग्गजों की महत्वाकांक्षाएं साझा लक्ष्य के सामने छोटी पड़ गईं तो कांग्रेस मुकाबले में मजबूत हो सकती है। लेकिन यदि चुनावी रणनीति से ज्यादा नेताओं के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई हावी रही तो मिशन 65 के सामने कांग्रेस का सत्ता वापसी का सपना एक बार फिर अधूरा रह सकता है।

सीएम ने पर्वतीय क्षेत्रों के लिए दो 'आरोग्य रथ' को दिखाई हरी झंडी

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय, देहरादून से अल्मोड़ा एवं पिथौरागढ़ जनपदों के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए दो मोबाइल मेडिकल यूनिट 'आरोग्य रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पहल पर्नोड रिकार्ड इंडिया फाउंडेशन के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत टीएसएल फाउंडेशन द्वारा संचालित की जा रही है।



मुख्यमंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश के पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की विषम भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के निकट पहुंचाना आवश्यक है। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उनके आसपास ही प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन मोबाइल मेडिकल यूनिट में चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ, फार्मासिस्ट एवं आवश्यक दवाओं की व्यवस्था की गई है। इनके माध्यम से लोगों को प्राथमिक एवं निवारक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की प्रारंभिक पहचान और समय पर चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। साथ ही लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विशेष रूप से पर्वतीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने में सरकारी प्रयासों के साथ कॉर्पोरेट क्षेत्र एवं सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी विभिन्न संस्थाएं प्रदेश में स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य सामाजिक क्षेत्रों के विकास में इसी प्रकार सहयोग करती रहेंगी।

दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता: सीएम

इस अवसर पर उत्तराखण्ड राज्य स्तरीय खेल परिषद के उपाध्यक्ष हेमराज बिष्ट, सदस्य पलायन निवारण आयोग अनिल सिंह शाही,सचिव स्वास्थ्य विनय शंकर पांडेय, अपर सचिव मनमोहन मैनाली, पर्नोड रिकार्ड इंडिया फाउंडेशन की सीनियर डायरेक्टर (सीएसआर) सुश्री अनंतिका सिंह, टीएसएल ग्रुप के सीईओ साहिल अरोड़ा एवं डायरेक्टर आदेश गुप्ता सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

पुल निर्माण की धीमी रफ्तार से 250 परिवारों की परेशानी बरकरार

नई टिहरी(आरएनएस)। कागजों में भले ही सीमांत गेंवाली गांव तक सड़क तक पहुंच गई लेकिन पुल का निर्माण पूरा नहीं होने से गेंवाली गांव के करीब 25० परिवारों को पूरी तरह से सड़क सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

जाखणा के समीप गेंवाली गाड पर निर्माणाधीन पुल का काम धीमी गति से चल रहा है। इसके चलते ग्रामीणों को गेंवाली गाड से गांव तक करीब एक किलोमीटर की दूरी पैदल तय करनी पड़ रही है। घरों तक सामान पहुंचाने के लिए घोड़े-खच्चरों का सहारा लेना पड़ रहा है।गेंवाली गांव को सड़क से जोड़ने के लिए वर्ष 2०2० में स्वीकृति मिली थी। इसके बाद विनयखाल से गेंवाली तक करीब छह किलोमीटर सड़क का निर्माण वर्ष 2०22 में पूरा कर लिया गया लेकिन गेंवाली गाड पर बनने वाला पुल अब तक अधूरा है। करीब 3० मीटर लंबे इस पुल के निर्माण की शुरुआत से ही काम की गति धीमी रही है।वर्ष 2०22 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पुल निर्माण के लिए 2.12 करोड़ स्वीकृत किए गए थे। निर्माण के दौरान पिछले वर्ष अगस्त में आई आपदा से पुल को नुकसान पहुंचा था। इसके बाद कुछ समय तक काम प्रभावित रहा। वर्तमान में भी निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है।

लगातार देरी के चलते पुल की निर्माण लागत बढ़कर 3.6० करोड़ तक पहुंच गई है।गेंवाली के पूर्व प्रधान बचन सिंह रावत ने बताया कि गांव तक सड़क पहुंचने के बावजूद पुल नहीं बनने से ग्रामीणों की परेशानी जस की तस बनी है। गेंवाली गाड से गांव तक करीब एक किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। घर का सामान गांव तक पहुंचाने के लिए घोड़े-खच्चरों का भाड़ा देना पड़ता है।

कुमाउंनी कवि महफिल में रचनाकारों ने पहाड़ की संस्कृति और मौजूदा हालातों को शब्दों में उकेरा

अल्मोड़ा(आरएनएस)। राष्ट्रीय कुमाउंनी भाषा सम्मेलन कुमाउंनी कवि महफिल के साथ संपन्न हो गया। कवि महफिल में वरिष्ठ और युवा रचनाकारों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से पहाड़ की परंपरा, संस्कृति, ग्रामीण जीवन, प्रकृति, पलायन, विकास, रिश्वतखोरी और मौजूदा सामाजिक परिस्थितियों को सामने रखा। वरिष्ठ साहित्यकार त्रिभुवन गिरी महाराज ने जिंदगी का रहस्य समझाती अपनी रचना हे मनखा मनखे की पीड़ पछाड़िये प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रो. केसी जोशी ने पलायन और पहाड़ी घरों की दुर्दशा को उजागर करते हुए यौ टुटी फुटि मकान छु, जो भ्यैर भितर में बुजि रौ कविता प्रस्तुत की। वरिष्ठ साहित्यकार डा. धाराबल्लभ पांडेय ने यौ जनम भूमि यौ जनम भूमि, कतुक भलि हाव पाणि गीत के माध्यम से पहाड़ की सुंदरता का वर्णन किया। डा. प्रकाश चंद्र जोशी ने कुमाउंनी में हनुमान चालीसा प्रस्तुत की। साहित्यकार योगेंद्र बिष्ट ने ओ च्यला म्यर च्यला, सुण म्यर पोथी कविता के माध्यम से पलायन का दर्द उकेरा। पहाड़ में बढ़ते नशे के प्रचलन पर कटाक्ष करते हुए यौ शराबैक लत बड़ खराब छु रचना प्रस्तुत की गई। विनोद पंत ने हम लै दाज्यू ठाण है जानू, अलबेर चुनाव में रचना के माध्यम से नेताओं पर कटाक्ष किया, जबकि प्रकाश चंद्र जोशी ने लूटालूट न कर, चुटा चूट न कर रचना पढ़कर भ्रष्टाचार पर चोट की। महेंद्र ठकुराठी ने मनखी रे कसि कसि माया रची छौ रचना प्रस्तुत की। कवि महफिल में प्रकाश चंद्र जोशी, भूपेंद्र सिंह देव, आनंद सिंह बिष्ट, पवनेश ठकुराठी, नरेंद्र बंगारी, प्रकाश पांडे समेत अन्य रचनाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियां दीं। संचालन वरिष्ठ साहित्यकार डा. धाराबल्लभ पांडेय ने किया। इस मौके पर सभी रचनाकारों को प्रतीक चिह्न प्रदान किए गए। सम्मेलन की व्यवस्थाओं में सहयोग करने वाले बलवंत सिंह बिष्ट, देवेंद्र फर्त्याल, ललित तुलेरा, शशिशेखर, जनार्दन चिलकोटी, गीता खोलिया, आनंद सिंह सौतियाल, हयात सिंह बिष्ट समेत अन्य सहयोगियों को भी प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कुमाउंनी भाषा सम्मेलन में व्यापक मंथन के बाद कुमाउंनी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने तथा पहली कक्षा से स्कूलों के पाठ्यक्रम में कुमाउंनी को शामिल करने की मांग से जुड़े प्रमुख प्रस्ताव पारित किए गए।

विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ना आवश्यकः सीएम



◆मुख्यमंत्री ने किया अंतरराष्ट्रीय प्रकृति पथ साइकिल यात्रा का समापन

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री आवास में आयोजित कार्यक्रम में पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी के नेतृत्व में निकाली गई 47 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रकृति पथ साइकिल यात्रा-2026 के समापन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने डॉ. अनिल प्रकाश जोशी एवं यात्रा में शामिल सभी साइकिल यात्रियों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए उन्हें इस महत्वपूर्ण अभियान की सफलता के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. अनिल प्रकाश जोशी द्वारा 47 दिनों तक साइकिल यात्रा करना प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनके समर्पण, दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल लंबी दूरी तय करने का अभियान नहीं, बल्कि जल, जंगल, जमीन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने का एक सार्थक प्रयास है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, धार्मिक एवं सामाजिक संबंध रहे हैं। जनकपुर धाम और अयोध्या का संबंध हमारी साझा सांस्कृतिक विरासत तथा रोटी-बेटी के आत्मीय रिश्तों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की भौगोलिक एवं प्राकृतिक परिस्थितियां भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. अनिल प्रकाश जोशी द्वारा दिया गया 'प्रकृति ही प्रभु है' का संदेश भारतीय संस्कृति और जीवन दर्शन की मूल भावना को अभिव्यक्त करता है। हमारी संस्कृति में प्रकृति को सदैव पूजनीय माना गया है। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल पर्यावरण से जुड़ा विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। प्रकृति सुरक्षित रहेगी, तभी मानव जीवन भी सुरक्षित रह सकेगा।

इस अवसर पर पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने प्रकृति पथ यात्रा-2026 के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि 2 अक्टूबर 2026 को नेपाल के जनकपुर धाम से प्रारंभ हुई इस 47 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय साइकिल यात्रा के दौरान 3,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की गई। यात्रा के माध्यम से नेपाल सहित भारत के विभिन्न राज्यों, 25 से अधिक जिलों और 150 से अधिक गांवों तक पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन का संदेश पहुंचाया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 28 से 30 नवंबर 2026 तक देहरादून में आयोजित होने वाले विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन-2026 के पोस्टर का भी विमोचन किया। इस अवसर पर पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, यू-कॉस्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत एवं प्रकृति पथ यात्रा के सदस्य उपस्थित रहे।

64.80 लाख रुपए कीमत की स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार



हमारे संवाददाता

नैनीताल। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली हल्द्वानी पुलिस व एसओजी टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसओजी और कोतवाली हल्द्वानी पुलिस की संयुक्त टीम ने मंडी क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी गेट के पास चेकिंग के दौरान एक तस्कर को 216 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद स्मैक की अनुमानित कीमत करीब 64 लाख 80 हजार रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान सतीश कुमार (30 वर्ष) पुत्र ईश्वरी प्रसाद, निवासी ग्राम गालिबपुर, थाना डिबाई, जिला बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ कोतवाली हल्द्वानी में एफआईआर दर्ज की गयी है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह हल्द्वानी की बड़ी मंडी में सब्जी का काम करता है। अधिक पैसा कमाने के लालच में वह अपने गांव के एक व्यक्ति के कहने पर बुलंदशहर से स्मैक खरीदकर लाया था।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी हिमाचल प्रदेश में एनडीपीएस के एक मामले में पहले जेल जा चुका है। उसके आपराधिक इतिहास की विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

बोलेरो की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। बोलेरो कार की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोटी बाबर त्यूणी निवासी सोहन सिंह ने कालसी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई दिनेश अपनी मोटरसाईकिल से घर की तरफ जा रहा था जब वह शम्भी की चौकी चकराता के पास पहुंचा तभी एक बोलेरो वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसके भाई को अस्पताल पहुंचाया जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

उत्तराखंड के लिए वर्ष 2050 तक का दीर्घकालिक विकास रोडमैप तैयार

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री के सलाहकार (सेतु आयोग अवस्थापना विकास) एवं पूर्व मंत्री दिनेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड को आदर्श हिमालयी राज्य बनाने के संकल्प के साथ विकसित उत्तराखंड विजन तैयार किया गया है। इसमें प्रदेश के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए वर्ष 2050 तक के दीर्घकालिक लक्ष्य और प्राथमिकताएं निर्धारित की गई हैं। वर्ष 2050 राज्य गठन का स्वर्ण जयंती वर्ष होगा।

❑28.48 लाख करोड़ रुपये की होगी उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था



अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश की विकास यात्रा को नई दिशा देने के लिए आर्थिकी एवं रोजगार, सामाजिक विकास, वन एवं पर्यावरण, आधारभूत ढांचा, स्थानीय निकायों का सशक्तीकरण और तकनीक आधारित सुशासन सहित छह प्रमुख क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए ठोस कार्ययोजना और दीर्घकालिक रोडमैप तैयार किया गया है। विजन के तहत राज्य की जीएसडीपी को 3.48 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 28.48 लाख करोड़ रुपये करने का लक्ष्य है। इसी तरह प्रति व्यक्ति आय को 2.94 लाख रुपये से बढ़ाकर 20.4 लाख रुपये करने और एमएसएमई क्षेत्र के माध्यम से करीब 22.11 लाख रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी क्रम में पर्यटकों की संख्या 2.5 गुना और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या दस गुना बढ़ाने का लक्ष्य है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक ड्रॉपआउट दर शून्य करने, उच्च शिक्षा में 87 प्रतिशत तक रोजगारोन्मुखी शिक्षा और पॉलिटेक्निक में प्लेसमेंट दर 90 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य में 26 आयुष उत्कर्ष केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे।

अग्रवाल के अनुसार, पर्यावरण संरक्षण के तहत 10,500 जलस्रोतों, पांच हजार धाराओं और 56 नदियों का पुनर्जीवन किया जाएगा। वहीं, 55,414 किलोमीटर सड़क नेटवर्क, 29 हेलीपोर्ट एवं हेलीपैड और 22 हजार मेगावाट ऊर्जा क्षमता विकसित करने की योजना है। इसके अलावा 4.5 लाख लखपति दीदी तैयार करने, शहरी परिवारों को चौबीस घंटे पेयजल उपलब्ध कराने और सरकारी सेवाओं को पूरी तरह पेपरलेस, फेसलेस एवं कैशलेस बनाने का लक्ष्य भी शामिल है।

संरक्षित खेती का प्रशिक्षण लेने 28 किसानों कर दल पंतनगर रवाना

हमारे संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने आज अपने कैंप कार्यालय से जनपद देहरादून के विभिन्न क्षेत्रों के 28 किसानों के दल को गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर के लिए रवाना किया।

◆कृषि मंत्री गणेश जोशी ने बस को दिखाई हरी झंडी



इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय में वृद्धि और कृषि क्षेत्र को आधुनिक एवं तकनीक आधारित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। संरक्षित खेती आधुनिक कृषि की एक महत्वपूर्ण तकनीक है, जिसके माध्यम से किसान कम भूमि और नियंत्रित वातावरण में बेहतर गुणवत्ता वाली फसलों का उत्पादन कर सकते हैं। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रदेश में संरक्षित खेती को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार द्वारा किसानों के खेतों में बड़े स्तर पर पॉली हाउस का निर्माण कराया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को बेमौसमी सब्जियों फूलों और उच्च मूल्य वाली फसलों के उत्पादन से जोड़ना है, जिससे मौसम की मार से फसलों को बचाया जा सके और कृषकों की आय में दोगुनी वृद्धि सुनिश्चित हो सके। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि पॉली हाउस निर्माण के लिए सरकार द्वारा किसानों को आकर्षक अनुदान (सब्सिडी) भी उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक युवा और छोटे किसान इस आधुनिक तकनीक का लाभ उठाकर स्वरोजगार और आर्थिक समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ सकें।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने, उन्हें प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन देने और कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। पंतनगर विश्वविद्यालय में प्राप्त प्रशिक्षण से किसान संरक्षित खेती की आधुनिक तकनीकों को समझ सकेंगे और उनका लाभ अपने खेतों में उठा सकेंगे। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने आशा व्यक्त की कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद किसान अपने अनुभवों और तकनीकी जानकारी को अन्य किसानों के साथ भी साझा करेंगे, जिससे प्रदेश में आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी डॉ. डीके तिवारी सहित कृषकगण उपस्थित रहे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।